

Written by कुमार सौवीर
Thursday, 14 June 2018 16:19

: "00000 00000000 00000 00 00000000 00 0000 00000 0000 0000 00000000 00 00000000 00
00000000 0000" : 00000 00 00000000 00000000 00 000000000 00000000 00 : 00 000000000000
00000, 000000 00000 000000000 00000 0000 0000 00 00000 00000000 00 0000 0000000 0000 :

00000 00000000 000000000000

00000 : युवाओं के भवषि य के बलिकुल मजाक बनाने पर आमदा है यूपी लोकसेवा आयोग क प्रशासन य पहली बार हुआ है जब आयोग की इस तरह की बेहूदगियों पर यूपी सरकार भी खामोशी अख तयार किये बैठी हो खसतौर पर जब यह स पष् ट है क आयोग के अधू यक्स जसि अखलिेश यादव सरकार द्वारा नयिक् त किये है, जसि पर भर्ष् टाचार, जातवाद और अनैतक्ता क आरोप योगी सरकार लगातार लगाती ही जा रही है बहरहाल, ताजा खबर यह है क आयोग से प्रताड़ति अ भू यर्थियों की क याचकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्वार को सुनी जा गी पता चला है क इस बारे में याचकि दायर की जा चुकी है

आयोग के ऐसी करतूतों से प्रतभागियों में गुस्सा तो है ही, साथ ही साथ उनमें वभिन् न गुट भी उत् पन् न होते जा रहे हैं सोशल साइटों पर हंगामा हो रहा है आरोप-प्रत् यारोपण चल रहे हैं सर्वोच् च न यायालय में लड़ाई हारने केबाद अब चर्चा शुरु हो गयी क आखरि कर इस लड़ाई क औचित् य क् या था य तो गले में नमाज फंस जाने की क्हावत केतौर पर साबति हो रही है क्ईयों की पन्नी वाल पर तो गालियां चलनी शुरु हो गयी है, जनिमें योगी सरकार से लेकर अपने साथी लोगों पर हमला किया जा रह है आत् महत् या की चेतावनी के साथ ही तोड़फोड़ जैसे हसिक आंदोलन की भी धमकियां भी शामिल हैं क्ई लोगों ने तो इस कनूनी लड़ाई के खर्च क हसिाब मांगा जाना शुरु कर दिया है

क प्रतयोगी के अनुसार प्रतयोगी छात्रों पर तुषारापात आयोग के अध्यक्ष के तु लकी फरमान द्वारा किये जाने के पश्चात हताश छात्रों की रहनुमाई के नाम पर आगे आने वाले तथाक्थति छात्रहति समर्थकरंगे सथिारों द्वारा ऐसा गंदा खेल खेला गया जो क नक्खिभ्रता की पराक्षठा है पहले तो प्रशासन से बात की जा रही है क प्रशासन सुन नहीं रह क्हकर सरकार के वरिद्ध छात्रों में मन मे वदिवेष पैदा किया गया और उसके पश्चात कोर्ट के आखरिी मार्ग बात कर कोर्ट में ल ने हेतु मोती रक्म चंदे के रूप में वसूल की गई वो छात्र जो सब्जी भी सबसे सस्ती खरीद के खाते है अर्थाभाव में उन्होंने अपने कनि कनि आवश्यक्ताओं को न रअंदा करके चंदे क जुगा किया हो वो ईश्वर ही बता सकता है कोर्ट में लचर पैरवी के कारण पैसला छात्रों के वरिद्ध रहा जसिमे की चंदे की कतिनी रक्म खर्च हुई और कतिनी बची इसक हसिाब देने वाला कोई नहीं ये कसिके इशारे पर किया गया ये वचिरणीय वषिय है क््योंक इससे छात्र दगिभ्रमति होकर परीक्सा स्थगति करवाने क अन्य कोई मार्ग न अपना सके तथा उनक आक्शोश आयोग वरिधी के साथ साथ सरकार वरिधी भी हो गया ये बातें कसी को तो फयदा पहुंचा रही होंगी

उधर प्रतभागियों के क गुट के नेता कौशल सहि ने स पष् ट किया है क आज हाईकोर्ट में इसी मामले पर क याचकि के लेकर वरषिठ अधक्ताओ से वसित्त चर्चा हुई है, जसिमें सभी पहलुओं पर ध्यान भी दिया जा रहा है कौशन के अनुसार क्ल शुक्वार को हाईकोर्ट पर सुनवाई होगी उन् होंने अपील की है क शांति के साथ अध्ययन जारी रखी ! सत्यमेव जयते !

00000 000 00000 00000 00 000000 000000 00 0000 00 0000000 000000, 00 000000 00000000 00000 00
000000 00000000 :-

□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□

Written by कुमार सोवीर
Thursday, 14 June 2018 16:19

[□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□](#)